भारत सरकार

ग्रामीण विकास मंत्रालय

ग्रामीण विकास विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. 244*

(18 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए)

महाराष्ट्र में ग्रामीण सड़कें

***244. श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरे:**

क्या **ग्रामीण विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछली वर्षा ऋतु के दौरान महाराष्ट्र में कितनी ग्रामीण सड़कों की पहचान बुरी तरह से क्षतिग्रस्त सड़कों के रूप में की गई है तथा विगत पांच वर्षों के दौरान उनकी पहचान के लिए जिलावार क्या मापदंड अपनाए गए हैं;

(ख) क्या उक्त अवधि के दौरान इन सड़कों पर दुर्घटनावश मौतें हुई हैं;

(ग) यदि हां, तो ऐसे कुल कितने मामले सामने आए हैं;

(घ) उक्त अवधि के दौरान महाराष्ट्र में ग्रामीण सड़कों की मरम्मत और रखरखाव के लिए आवंटित और उपयोग की गई धनराशि का जिलावार ब्यौरा क्या है; और

(ङ) महाराष्ट्र में ग्रामीण सड़कों के निर्माण की गुणवत्ता और सुदृढ़ता सुनिश्चित करने के लिए किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है जिससे ये सडकें विशेषकर भारी वर्षा सहित प्रतिकूल मौसम के दौरान भी टिकाऊ बनी रहें?

उत्तर

ग्रामीण विकास मंत्री

(श्री शिवराज सिंह चौहान)

(क) से (ङ) विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

लोक सभा में दिनांक 18.03.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत तारांकित प्रश्न संख्या 244* के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (ग) "ग्रामीण सड़कें" राज्य का विषय है। भारत सरकार ने गरीबी उन्मूलन रणनीति के भाग के रूप में दिनांक 25 दिसंबर, 2000 को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई- I) शुरू की, ताकि सड़क संपर्क रहित पात्र बसावटों को बारहमासी सड़कों के माध्यम से जोड़ने में राज्यों की सहायता की जा सके। विकास केंद्रों तक बेहतर संपर्कता और स्कूलों , अस्पतालों, ग्रामीण कृषि बाजारों तक बेहतर संपर्क स्थापित करने के लिए ग्रामीण सड़कों का उन्नयन करने के उद्देश्य से पीएमजीएसवाई II और पीएमजीएसवाई III जैसे अन्य कार्यक्रम भी शुरू किए गए। योजना के उद्देश्यों के अनुसार , कई पीएमजीएसवाई सड़कों का निर्माण देश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में किया गया है।

महाराष्ट्र राज्य ने बताया है कि पीएमजीएसवाई के अंतर्गत निर्मित निम्नलिखित चार सड़कें पिछले बरसात के मौसम में गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गईं।

1. एमडीआर-25 मानवत से ओडीआर-28 रोड तालुका- मानवत जिला-परभणी
2. एसएच-221 से वीटा- थडी-उक्कलगांव-गंगापिंपरी-लोहिग्राम-टांडा-एसएच-235 श्रृषि-साईखेड़ा-नरवाड़ी रोड तालुका- सोनपेठ जिला- परभणी
3. वालूर से रावहा- टीक्यू बॉर्डर रोड तालुका- सेलु जिला- परभणी
4. एसएच-221 से मोरेगांव- ब्रम्हवाकडी रोड तालुका- सेलु जिला- परभणी

राज्य ने बताया है कि जब पुल, पार जल निकासी संरचनाओं के बह जाने, सड़क खंड में तटबंधों के बह जाने, भूस्खलन आदि जैसे कारणों से वाहनों का आवागमन बाधित होता है, तो सड़कों को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त माना जाता है। उपरोक्त के अतिरिक्त, पिछले 5 वर्षों में, सतारा जिले में 5 सड़कें और नांदुरबार जिले में 3 सड़कें भारी बारिश के कारण क्षतिग्रस्त पाई गईं। राज्य ने यह भी बताया कि पीएमजीएसवाई के तहत निर्मित सड़कों पर पिछल 5 वर्षों के दौरान किसी भी आकस्मिक मृत्यु की सूचना नहीं मिली है।

(घ) और (ङ) पीएमजीएसवाई दिशा-निर्देशों के अनुसार, इस कार्यक्रम के तहत निर्मित सड़कों का रखरखाव राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है। महाराष्ट्र में पीएमजीएसवाई सड़कों की मरम्मत और रखरखाव के लिए आवंटित और उपयोग की गई निधियों का जिलेवार ब्यौरा , जैसा कि राज्य द्वारा उक्त अवधि के दौरान सूचित किया गया है, **अनुबंध** में देखा जा सकता है।

इस कार्यक्रम के तहत निर्मित सड़कों की गुणवत्ता की निगरानी के लिए पीएमजीएसवाई के तहत तीन स्तरीय गुणवत्ता नियंत्रण तंत्र स्थापित किया गया है , जिसमें पहला स्तर परियोजना कार्यान्वयन इकाई, दूसरा स्तर राज्य गुणवत्ता मॉनिटर (एसक्यूएम) और तीसरा स्तर राष्ट्रीय गुणवत्ता मॉनिटर (एनक्यूएम) है जो सड़क निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और सड़क परिसंपत्तियों का स्थायित्व सुनश्चित करने के लिए काम करता है। गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रिया को विनियमित करने के लिए राज्यों को समय-समय पर दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

******

अनुबंध

लोक सभा में दिनांक 18.03.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत तारांकित प्रश्न संख्या 244 के भाग (घ) से (ङ) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

पिछले पांच वर्षों के दौरान महाराष्ट्र में पीएमजीएसवाई सड़कों की मरम्मत और रखरखाव के लिए आवंटित और उपयोग की गई निधि काजिलेवार ब्यौरा

(करोड़ ₹ में)

क्र. सं.	जिले का नाम	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
		आवंटित और उपयोग की गई राशि	आवंटित और उपयोग की गई राशि	आवंटित और उपयोग की गई राशि	आवंटित और उपयोग की गई राशि	आवंटित और उपयोग की गई राशि
1	अहिल्यानगर	0.53	5.01	4.46	2.23	0.21
2	अकोला	1.44	0.99	1.22	1.98	0.00
3	अमरावती	1.80	2.64	1.49	1.73	0.03
4	छत्रपति संभाजीनगर	1.48	3.39	3.18	3.39	0.09
5	बीड़	1.06	1.41	1.03	2.96	0.00
6	भंडारा	1.29	1.57	1.54	0.28	0.24
7	बुलढाणा	2.03	1.89	1.45	0.70	0.00
8	चंद्रपुर	1.03	2.75	4.15	3.09	0.24
9	धुले	0.79	1.89	1.76	1.90	0.00
10	गडचिरोली	2.56	3.91	3.79	2.40	0.67
11	गोंदिया	3.34	2.17	0.84	1.05	0.24
12	हिंगोली	0.38	1.03	1.22	0.97	0.03
13	जलगांव	1.31	5.12	3.30	0.09	0.00
14	जालना	0.95	2.22	0.46	2.51	0.01
15	कोल्हापुर	4.31	59.61	45.05	7.05	0.26
16	लातूर	1.87	1.59	1.88	0.38	0.00
17	नागपुर	1.09	2.99	0.87	0.03	0.00

क्र. सं.	जिले का नाम	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
		आवंटित और उपयोग की गई राशि	आवंटित और उपयोग की गई राशि	आवंटित और उपयोग की गई राशि	आवंटित और उपयोग की गई राशि	आवंटित और उपयोग की गई राशि
18	नांदेड़	1.12	2.02	1.82	1.03	0.07
19	नांदुरबार	2.74	4.99	2.46	5.68	0.03
20	नासिक	2.28	5.78	1.63	5.66	0.18
21	उस्मानाबाद	0.56	3.06	1.17	0.90	0.02
22	पालघर	1.25	3.03	3.37	0.80	0.00
23	परभणी	4.23	1.51	1.22	0.85	0.00
24	पुणे	5.61	5.18	4.80	5.84	0.02
25	रायगढ़	2.92	0.75	1.61	1.82	0.00
26	रत्नागिरि	3.37	4.03	2.98	0.44	0.00
27	सांगली	4.06	7.04	1.15	1.47	0.00
28	सतारा	3.46	2.69	3.06	3.12	0.04
29	सिंधुदुर्ग	5.34	3.35	2.06	1.42	0.06
30	सोलापुर	0.51	4.18	1.63	2.16	0.09
31	ठाणे	2.43	1.21	1.15	0.76	0.00
32	वर्धा	0.83	4.36	4.69	0.25	0.11
33	वाशिम	1.96	1.18	1.79	1.03	0.00
34	यवतमाल	1.53	4.36	5.22	0.92	0.53
कुल		**71.44**	**158.86**	**119.48**	**66.90**	**3.16**